

न्यायालय राजस्व मण्डल, म०प्र० ग्वालियर

समक्ष

एम०के०सिंह

सदस्य

अपील प्रकरण क्रमांक 328-तीन/2002 - विरुद्ध आदेश दिनांक  
29-11-2001- पारित द्वारा - अपर आयुक्त, चम्बल संभाग,  
मुरैना - प्रकरण क्रमांक 3/2001-02 अपील

ग्राम पंचायत रामपुर कलौ  
द्वारा सरपंच तहसील सवलगढ़  
जिला मुरैना

----अपीलांत

विरुद्ध

- 1- हजारीलाल पुत्र चतुरीलाल
- 2- बाबूलाल पुत्र महासुन्दर
- 3- पारीछत पुत्र शंकरिया
- 4- रामजी पुत्र भगवानलाल
- 5- आनन्द पुत्र अर्जुन
- 6- विजेन्द्रकुमार चतुर्वेदी जनपद सदस्य  
ग्राम रामपुर कलौ तहसील सवलगढ़
- 7- मध्य प्रदेश शासन

----रिस्पाण्डेन्टस

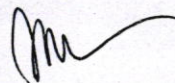
(अपीलांत के अभिभाषक श्री एस०के०बाजपेयी)  
(रिस्पा. सूचना उपरांत अनुपस्थित - एकपक्षीय)

आ दे श

(आज दिनांक 19-1 -2016 को पारित)

यह अपील अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा  
प्रकरण क्रमांक प्रकरण क्रमांक 3/2001-02 अपील में पारित  
आदेश दिनांक 29-11-2001 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व  
संहिता 1959 की धारा 44 के अंतर्गत प्रस्तुत हुई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि कलेक्टर मुरैना ने प्रकरण  
क्रमांक 98/2000-01 अ 60 में पारित आदेश दिनांक



20-2-2001 से ग्राम रामपुर कलॉ स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 1172 रकबा 0.324 हैक्टर शासकीय खलिहान से नोईयत बदलकर एक वीघा भूमि मरघट के लिये, 11 विसवा भूमि मुर्दामवेशी के लिये आरक्षित की। इस आदेश के विरुद्ध रिस्पा. 1 से 5 ने अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना के समक्ष अपील क्रमांक 3/2001-02 प्रस्तुत की। अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना ने आदेश दिनांक 29-11-2001 से अपील स्वीकार कर कलेक्टर मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 98/2000-01 अ 60 में पारित आदेश दिनांक 20-2-2001 निरस्त किया तथा प्रकरण इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया कि पूर्व से मरघट के लिये उपयोग में आ रही भूमि यदि थाना व रास्ते के उपयोग में आ रही हो तब ग्राम में अन्य शासकीय भूमि जो ग्राम से दूर हो, भूमि का चयन कर मरघट एवं मुर्दामवेशी के लिये सुरक्षित रखने की कार्यवाही की जाय। इसी आदेश के विरुद्ध यह अपील की गई है।

3/ अपील मेमो में वर्णित तथ्यों पर अपीलांट के अभिभाषक के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

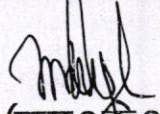
4/ अपीलांट के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन पर पाया गया कि ग्राम रामपुर कलॉ स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 1172 रकबा 0.324 हैक्टर पूर्व से ही खलिहान के लिये आरक्षित होकर अभिलेख में दर्ज है। मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 237 (1) में दर्शाए प्रयोजनों के लिये विशेष रूप से आरक्षित रखी गई भूमियों की नोईयत सामान्यतः नहीं बदलना चाहिये क्योंकि ऐसी भूमियाँ सार्वजनिक प्रयोजन के उद्देश्य के

R

M

आरक्षित रखी जाती हैं। जब ग्राम में पूर्व से ही मरघट के लिये भूमि आरक्षित होकर मरघट प्रयोग में है तब उसी उद्देश्य के लिये अन्य भूमि का चयन उचित नहीं ठहराया जा सकता। जैसाकि अपर आयुक्त द्वारा आदेश दिनांक 29-11-2001 में निष्कर्ष दिया है कि पूर्व से मरघट प्रयोजन की भूमि यदि थाना एवं रास्ते के उपयोग में आ रही है तब ग्राम से दूर एवं ग्रामवासियों के सुविधा-जनक स्थिति की अन्य भूमि इन कार्यों हेतु चयनित कर आरक्षित की जाय। विद्वान अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना द्वारा विस्तृत विवेचना कर ग्रामवासियों के हित में उचित निर्णय लिया है, जिसमें किसी प्रकार की कमी नजर नहीं आती है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपील सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है। परिणामतः अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 3/2001-02 अपील में पारित आदेश दिनांक 29-11-2001 उचित पाये जाने से यथावत् रखा जाता है।

  
(एम०के०सिंह)  
सदस्य

राजस्व मण्डल  
मध्य प्रदेश ग्वालियर